CURRICULUM CONSTRUCTION (पाठ्यक्रम निर्माण/संरचना)
OR या
PROCESS OF CURRICULUM MAKING (पाठ्यक्रम निर्माण कि प्रक्रिया)

Que- पाठ्यक्रम को परिभाषित करें। एक अच्छा पाठ्यक्रम कि प्रक्रिया का वर्णन करें।
OR, " कि संरचना की विवेचना करें, OR, प्राथमिक स्तर पर पाठ्यक्रम निर्माण किस्या प्रकिया होगी? उदाहरण सहीत व्याख्या करें।

Introduction- पाठ्यक्रम समस्त शिक्षा प्रक्रिया कि वह केंद्र धुरी है, जो सारे शैक्षिक प्रक्रिया को संचालित, निर्देशित, व्यवस्थित एवं निर्धारित करती है। यह एक ऐसा यंत्र है, जिसके द्वारा शिक्षा के लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है, बालक कि आवश्यकता के अनुरूप क्षमताएं विकसित की जा सकती है। पाठ्यक्रम शैक्षिक, सहशैक्षिक एवं अशैक्षिक क्रियाओं का वह योग है, जिसके द्वारा लक्ष्य निर्धारण, विषय वस्तु का चयन, शैक्षिणिक क्रियाओं का ऐसा निर्धारण किया जाता है, जो शिक्षा को उसके लक्ष्य तक पहुंचाती है।

पाठ्यक्रम जितना उत्तम होगा लक्ष्य कि प्राप्ति अधिक होगी।

स्पष्ट है कि शिक्षा प्रक्रिया को सही दिशा में चलाने शिक्षा के लक्ष्य के निर्धारण, शिक्षण विधि के चयन, सहगामी क्रिया के निर्धारण, उद्देश्यों एवं प्राप्त उद्देश्यों कि प्राप्ति एवं मूल्यांकन कि प्रक्रिया को संचालित करने के लिए पाठ्यक्रम का निर्माण करना आवश्यक तथा प्रत्येक स्तर पर ध्यान देना आवश्यक है।

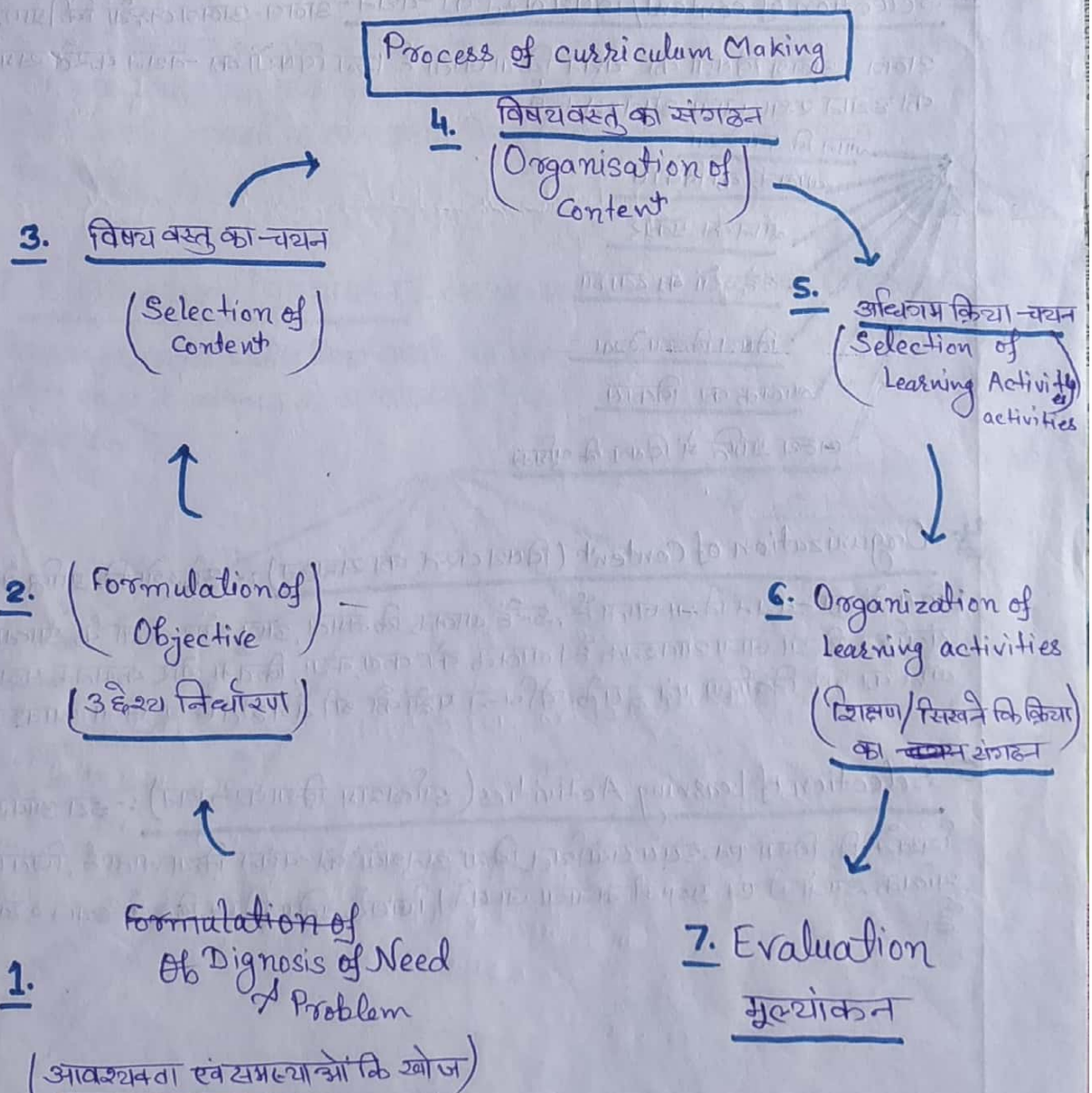

(Dignosis of Need & Problems)

1. आवश्यकता एवं समस्याओं कि खोज:- प्रत्येक समाज, राष्ट्र और व्यक्ति कि कुछ आवश्यकताएँ एवं समस्याएँ होती है। जिनकी पुर्ति एवं समाधान ही शिक्षा का मुख्य लक्ष्य है, जिसके लिए बालकों का सर्वांगिण विकास कर उसमें ऐसी क्षमता पैदा कि जाती है, जिससे वह समाज, राष्ट्र और स्वंय कि आवश्यकता कि पुर्ति एवं समस्या (विकसीत), का समाधान कर सके। चुँकि समस्या एवं आवश्यकता समय के साथ बदलती रहती है, यही कारण है की समय-समय पर पाठ्यक्रम में परिवर्तन या संशोधन किया जाता है।

2. Formulation of Objective/उद्देश्य निर्धारण:- पाठ्यक्रम निर्माण कि यह दुसरी महत्वपुर्ण अवस्था है, जहाँ व्यक्तिगत, सामाजिक, राष्ट्रीय, अंतराष्ट्रीय लक्ष्यों एवं उद्देश्यों का निर्धारण किया जाता है। पाठ्यक्रम निर्माण में उद्देश्य का निर्धारण करना आवश्यक है, तभी शिक्षा की रुपरेखा तैयार कि जा सकती है। किसी भी पाठ्यक्रम के उद्देश्य को निर्धारित करने वाले में सहायक है। Social सामाजिक, Political राजनैतिक, cultural सांस्कृतिक, Geographical भौगोलिक, Economical आर्थिक, National राष्ट्रीय, International अंतराष्ट्रीय लक्ष्य जिनका समावेश पाठ्यक्रम के निर्माण में आवश्यक होता है।

3. Selection of content/विषय वस्तु का चयन- अलग-अलग लक्ष्यों कि प्राप्ति के लिए अलग-अलग विषयों का चयन किया जाता है। इन विषयों का चयन करते समय इन बातों का ध्यान रखा जाना आवश्यक है

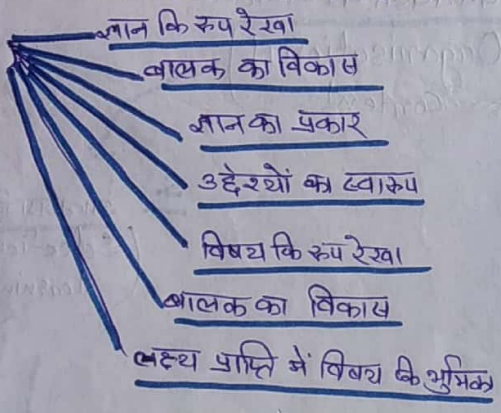

4. Organization of Content (विषय वस्तु का संगठन) :- उद्देश्यों कि प्राप्ति के लिए जिन विषयों का चयन किया जाता है, उन्हें बालक कि क्षमता, आयु और कक्षा के आधार पर संगठित किया जाना आवश्यक है। बालक को कब, क्या, कितना और कबतक पढ़ाया जाए इस बात का भी निर्धारण एवं इसके विभिन्न पक्षों को भी संगठीत किया जाना आवश्यक है।

5. Selection of Learning Activities (अधिगम क्रिया का चयन) :- इस अवस्था में सिखने कि क्रिया एवं उससे संबंधित क्रिया अनुभवों का चयन किया जाता है, जिससे शिक्षा को अधिक उपयोगी एवं प्रभावी बनाया जा सके। जिसके लिए निम्न बिंदु को ध्यान रखना आवश्यक है।

Scanned with CamScanner

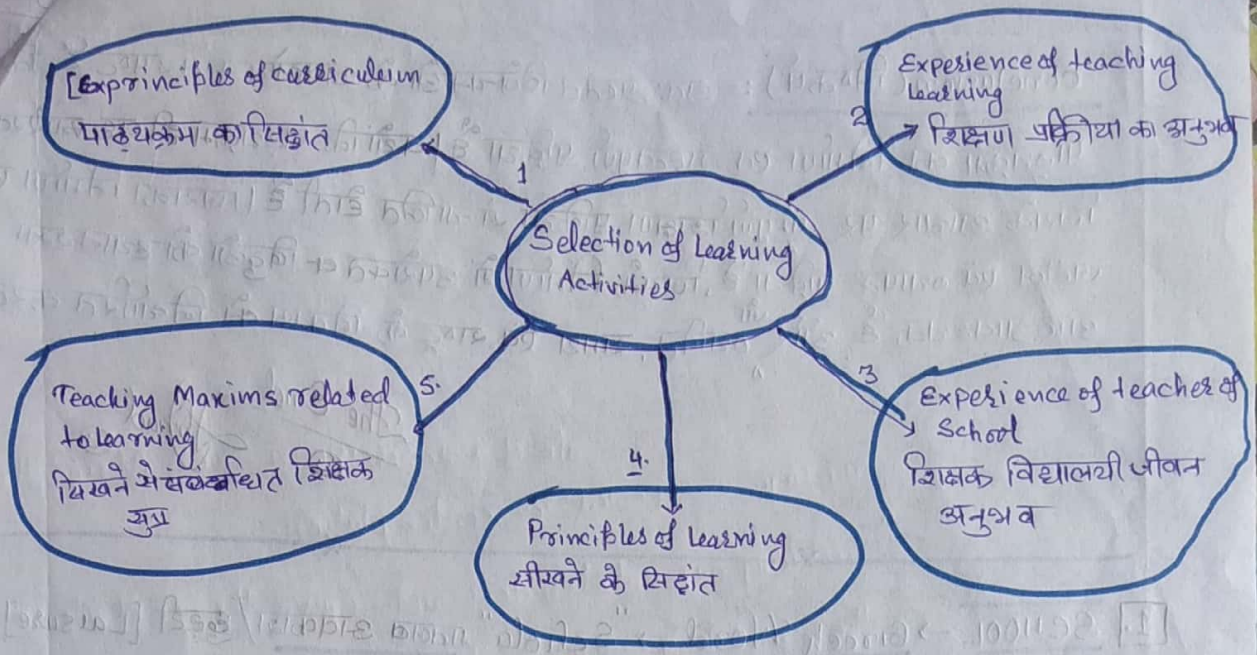

5. Organization of Learning Activities (शिक्षण/अधिगम/सिखने कि क्रियाओं का संगठन)

इस अवस्था में सीखने कि गतिविधियों, अनुभवों, क्रियाओं एवं तथा प्रयोगिक कार्यों को संगठित किया जाता है कि किस class कक्ष में क्या-क्या क्रिया कब और कैसे तथा किस रुप में कि जाएगी। क्या और कैसे सैद्धांतिक और व्यवहारिक ज्ञान प्रदान किये जाएँगे, शिक्षण प्रक्रिया किस प्रकार संचालित कि जाएगी।

7. Evaluation / मूल्यांकन :- इस अवस्था में पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किया जाता है। जिस पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है, वह कहाँ तक अपने लक्ष्य कि प्राप्ति में सफल रहा और उसमें किस प्रकार के संशोधन की आवश्यकता है, जिसमें निम्नलिखित बिंदुओं का मूल्यांकन करना आवश्यक है।

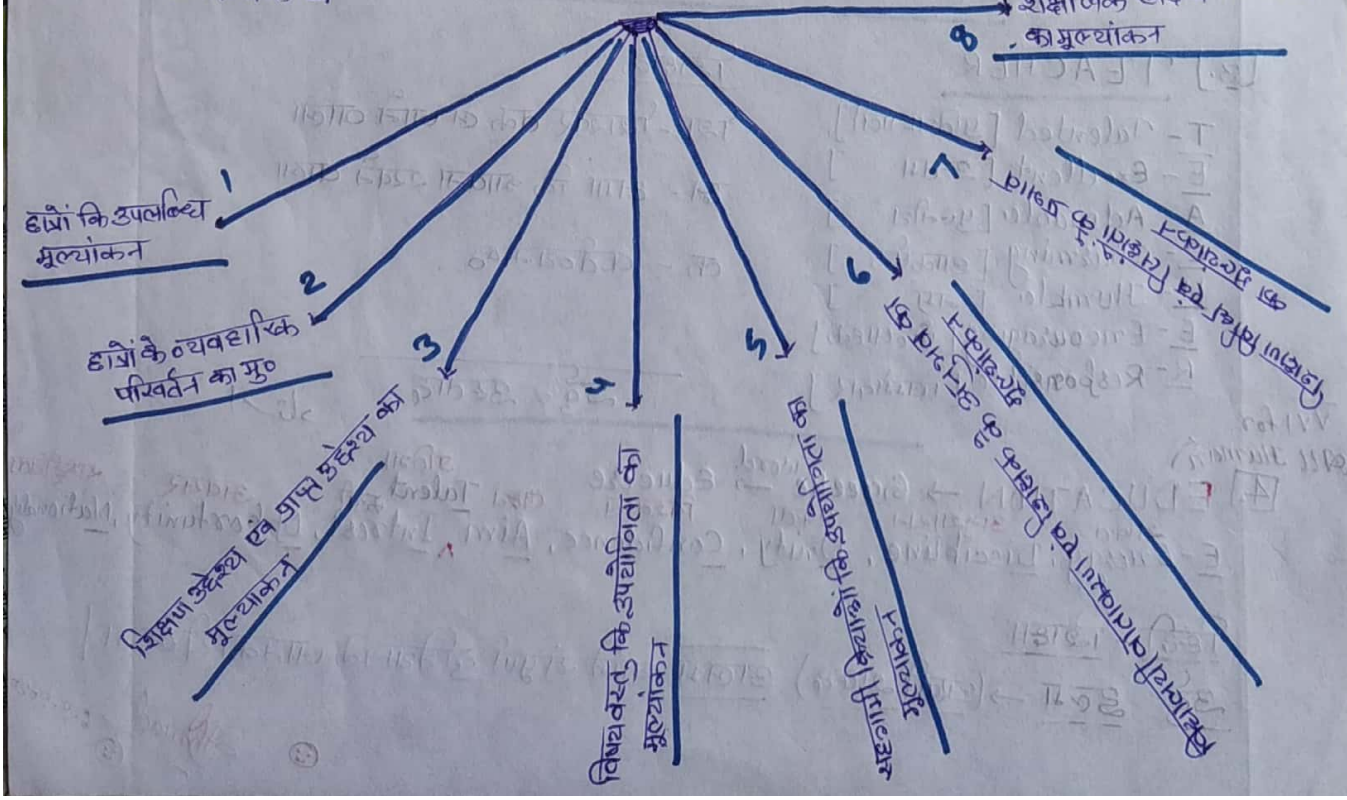

Scanned with CamScanner

4.

Conclusion (निष्कर्ष) :- अतः प्रस्तुत विवेचनाओं के अवलोकन से स्पष्ट है कि पाठ्यक्रम का निर्माण एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। क्योंकि पाठ्यक्रम ही वह रूपरेखा है, जिसके आधार पर सम्पूर्ण शिक्षण प्रक्रिया संचालित होती है। जिसका निर्माण एक जटील एवं व्यापक प्रक्रिया है, जिसके निर्माण में उपरोक्त वर्णित बिंदुओं को ध्यान रखा अतिआवश्यक है और जो व्यक्ति, समय एवं राष्ट्र के विकास को निर्धारित करता है।

The End

Ahmad